क्रिकेट

10.1 क्रिकेट का इतिहास

क्रिकेट का इतिहास 16वीं शताब्दी में इंग्लैंड में शुरू हुआ और 18वीं शताब्दी में एक स्थापित खेल बन गया। यह 19वीं और 20वीं शताब्दी में विश्व स्तर पर विकसित हुआ।

प्रारंभिक विकास (16वीं और 17वीं शताब्दी)

- जन्मः क्रिकेट की शुरुआत 16वीं शताब्दी में दक्षिण–पूर्व इंग्लैंड में हुई थी।
- ग्रामीण खेलः यह मूल रूप से ग्रामीण समुदायों में खेला जाने वाला बच्चों का खेल था।
- पहचानः 17वीं सदी के मध्य तक ''गाँव का क्रिकेट'' विकसित हो चुका था।
- लोकप्रियताः यह खेल इतना लोकप्रिय हो चुका था कि रविवार को चर्च ना जाकर मैच खेलने वालों पर जुर्माना भी लगाया जाता था।

18वीं शताब्दी और विस्तार

- बैट का विकासः 18वीं सदी के मध्य तक बल्ले की बनावट हॉकी स्टिक की तरह मुड़ी हुई होती थी क्योंकि उस समय गेंद को अंडरआर्म फेंका जाता था।
- काउंटी क्रिकेटः इस समय तक काउंटी टीमों के बीच क्रिकेट खेलने के कोई ठोस सबूत नहीं थे, हालांकि छोटे जुए के संदर्भ मिलते हैं।
- ग्रेस का योगदानः डब्ल्यूजी ग्रेस ने 19वीं सदी के उत्तरार्ध में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, और उन्हें क्रिकेट के जनक के रूप में जाना जाता है।

19वीं और 20वीं शताब्दीः अंतर्राष्ट्रीय विस्तार और विकास

- पहला अंतर्राष्ट्रीय मैचः पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल 1844 में संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच न्यूयॉर्क में खेला गया था. कनाडा ने यह मैच 23 रनों से जीता था।
- पहला टेस्ट मैचः आधिकारिक टेस्ट क्रिकेट मैच 1877 से शुरू हुए माने जाते हैं।
- ICC की स्थापनाः 1909 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की स्थापना हुई थी।
- विश्व कप की शुरुआतः पहला एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ODI) मैच 1971 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था।

भारत में क्रिकेट का इतिहास

- शुरुआतः भारत में क्रिकेट की शुरुआत 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान हुई थी।

- लोकप्रियताः ब्रिटिश सैनिकों, व्यापारियों और औपनिवेशिक प्रशासकों द्वारा उपमहाद्वीप में लाया गया यह खेल भारतीय अभिजात वर्ग के बीच लोकप्रिय हुआ और अंततः एक राष्ट्रीय जुनून बन गया।

क्रिकेट एक समृद्ध इतिहास वाला एक आकर्षक खेल है, लेकिन नए लोगों के लिए, क्रिकेट के बुनियादी नियम जटिल लग सकते हैं। चाहे आप पहली बार क्रिकेट के नियम सीख रहे हों या अपनी जानकारी ताजा कर रहे हों, क्रिकेट के नियमों और विनियमों को समझना खेल का आनंद लेने और अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

क्रिकेट एक बल्ले और गेंद का खेल है जो दो टीमों के बीच खेला जाता है, प्रत्येक में 11 खिलाड़ी होते हैं। मुख्य उद्देश्य विपक्षी टीम के सभी 10 बल्लेबाजों को आउट करना और अधिक रन बनाना है।

10.2 खेल का मैदान

- मैदान के बीच में 22 गज (20.12 मीटर) लंबी और 10 फीट (3.05 मीटर) चौड़ी पिच होती है।
- पिच के दोनों छोर पर तीन विकेट होते हैं।
- विकेट के सामने, एक ''पॉपिंग क्रीज'' और एक ''गेंदबाजी क्रीज'' होती है।

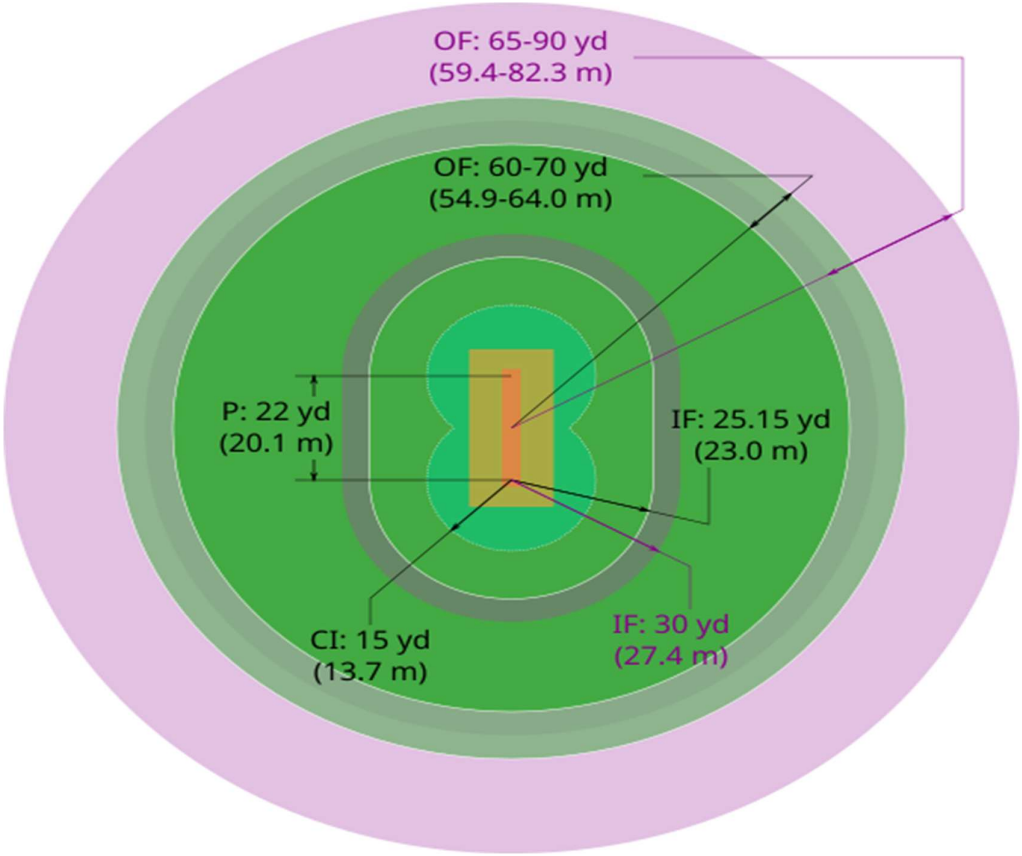

10.3 विकेट

एक मानक क्रिकेट विकेट में तीन स्टंप और दो बेल्स होते हैं। स्टंप 28 इंच (71.1 सेमी) ऊंचे और 9 इंच (22.9 सेमी) चौड़े हैं। बेल्स 4.37 इंच (11.1 सेमी) लंबी होती हैं और स्टंप के ऊपर बैठती हैं, जो अधिकतम 0.5 इंच (1.27 सेमी) ऊपर निकलती हैं।

यहां अधिक विस्तृत विवरण दिया गया है:

स्टंप्स:

- ऊंचाई: 28 इंच (71.1 सेमी)।
- चौड़ाई: तीनों स्टंपों को एक साथ रखने पर उनकी कुल चौड़ाई 9 इंच (22.9 सेमी) होगी।
- व्यास: प्रत्येक स्टंप का व्यास 1.375 और 1.5 इंच (3.49 से 3.81 सेमी) के बीच है।
- आकार: स्टंप के ऊपरी भाग गुंबद के आकार के होते हैं, सिवाय उन खांचों के जहां बेल्स बैठते हैं।

Bells:

- लंबाई: 4.37 इंच (11.1 सेमी)।
- स्टंप से ऊपर की ऊंचाई: अधिकतम 0.5 इंच (1.27 सेमी)। सामग्री: पारंपरिक रूप से लकड़ी (राख) से बने होते हैं, लेकिन अब एलईडी बेल्स का भी उपयोग किया जाता है।

10.4 खेलने का तरीका

- एक टीम बल्लेबाजी करती है और रन बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करती है।
- बल्लेबाज (बैटर) गेंद को मारकर रन बनाने की कोशिश करते हैं और फिर विकेटों के बीच दौड़ते हैं।
- गेंदबाज (बॉलर) बल्लेबाजों को आउट करने की कोशिश करते हैं।
- एक बल्लेबाज आउट हो जाता है अगरः
  - गेंद बल्ले से लगने के बाद कैच हो जाए।
  - गेंद विकेट पर लग जाए।
  - बल्लेबाज के पैर से गेंद लगने पर, लेकिन अंपायर को लगता है कि गेंद विकेट पर लगती।
  - बल्लेबाज क्रीज से बाहर हो और विकेट गिर जाए।
- जब एक टीम के 10 बल्लेबाज आउट हो जाते हैं, तो पारी समाप्त हो जाती है।
- एक मैच में आमतौर पर दो पारियां होती हैं, और जिस टीम ने सबसे ज्यादा रन बनाए वह जीत जाती है।

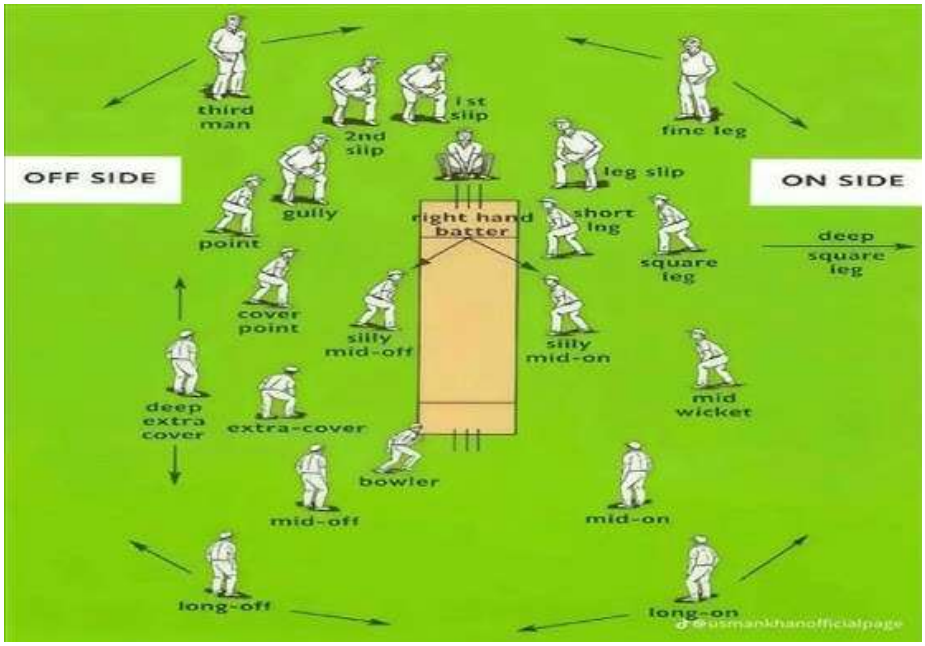

Different fielding positions in cricket

10.5 मैदान का माप और बाउंड्री

- क्रिकेट का मैदान एक बड़ा घास का मैदान होता है जिसके केंद्र में पिच होती है।
- मैदान का आकार अलग–अलग हो सकता है – अंडाकार, पूर्ण वृत्त या अनियमित।
- पुरुषों के क्रिकेट के लिए, मैदान का व्यास आमतौर पर 450 फीट (137 मीटर) से 500 फीट (150 मीटर) के बीच होता है।
- महिलाओं के क्रिकेट के लिए, व्यास 360 फीट (110 मीटर) से 420 फीट (130 मीटर) के बीच होता है।
- पिच के केंद्र से बाउंड्री की लंबाई 65 गज (59 मीटर) से कम नहीं होनी चाहिए और 90 गज (82 मीटर) से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट के लिए, पिच के केंद्र से बाउंड्री 60 और 70 गज (54.86 और 64.01 मीटर) के बीच होनी चाहिए।
- बाउंड्री रेखा और विज्ञापन बोर्डों के बीच न्यूनतम तीन गज की दूरी आवश्यक है ताकि खिलाड़ियों को चोट से बचाया जा सकेद्य
- बाउंड्री को दर्शाने के लिए विभिन्न वस्तुओं का उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि बाउंड्री दीवार, बाड़, खाई, मार्कर, पोस्ट या खंबा।

Boundry Marking

मैदान का माप और बाउंड्री

10.6 खेल के प्रकार

- **टेस्ट क्रिकेटः–**

5 दिनों तक चलने वाला एक लंबा प्रारूप है, जिसमें प्रत्येक टीम को दो बार बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है।

- **एकदिवसीय क्रिकेटः–**

50 ओवर का एक प्रारूप है, जिसमें प्रत्येक टीम को 50 ओवर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है।

- **टी20 क्रिकेटः–**

20 ओवर का एक प्रारूप है, जिसमें प्रत्येक टीम को 20 ओवर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है।

अन्य महत्वपूर्ण बातेंः–

- मैदान में दो अंपायर होते हैं जो खेल के नियमों को लागू करते हैं।
- दो स्कोरर होते हैं जो अंपायरों के संकेतों का पालन करते हुए स्कोर का रिकॉर्ड रखते हैं।
- क्रिकेट में, एक बल्लेबाज एक गेंद को सीमा रेखा के पार हिट करके 4 या 6 रन बना सकता है।

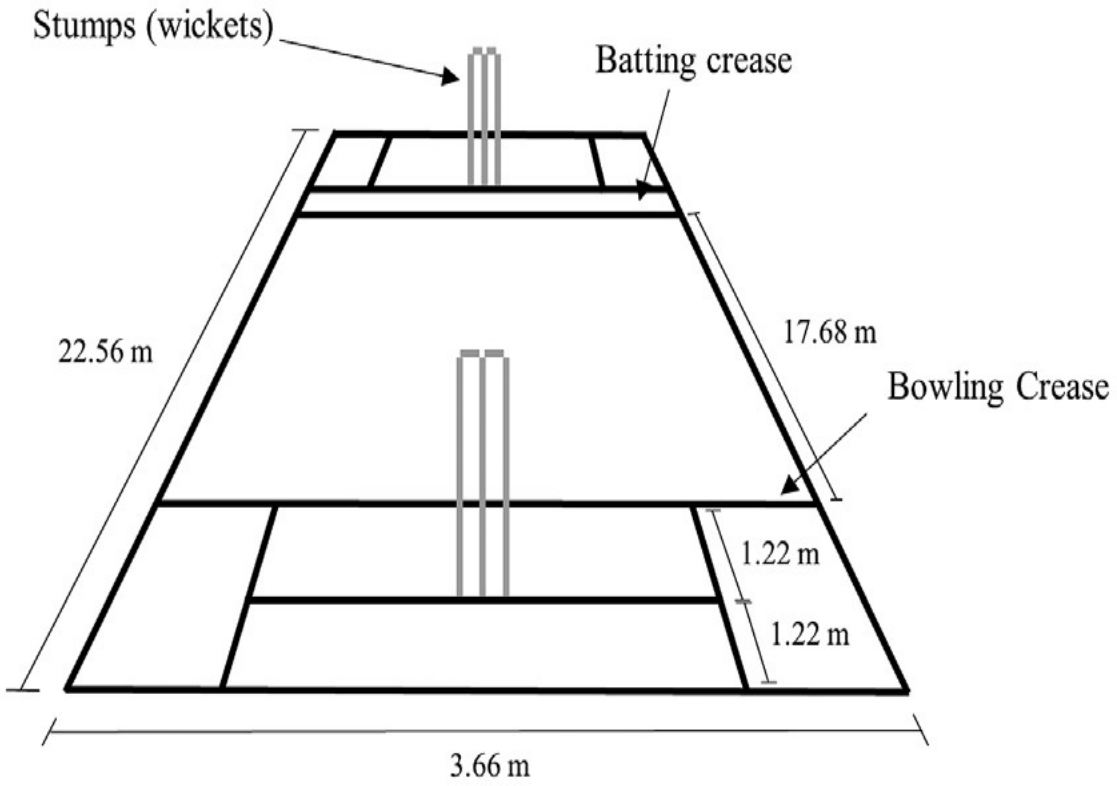

क्रिकेट पिच

10.7 क्रिकेट के बल्ले के आकार के नियम

क्रिकेट के बल्ले के आकार के नियम के अनुसार, बल्ले की अधिकतम लंबाई 38 इंच (96.52 सेमी) और चौड़ाई 4.25 इंच (108 मिमी) से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, बल्ले की गहराई 2.64 इंच (67 मिमी) और किनारे 1.56 इंच (40 मिमी) से अधिक नहीं होने चाहिए। ये नियम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा निर्धारित हैं ताकि खेल में निष्पक्षता बनी रहे।

- लंबाईः– बल्ले की कुल लंबाई, जिसमें हैंडल भी शामिल है, 38 इंच (96.52 सेमी) से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- चौड़ाईः– बल्ले की चौड़ाई 4.25 इंच (108 मिमी) से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- गहराईः– बल्ले की अधिकतम गहराई 2.64 इंच (67 मिमी) है।

- किनारेः– बल्ले के किनारों की मोटाई 1.56 इंच (40 मिमी से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- हैंडलः– बल्ले का हैंडल, जिसे ब्लेड से जोड़ा जाता है, बल्ले की कुल लंबाई का 52% से अधिक नहीं होना चाहिए, सिवाय साइज 6 और उससे कम के बल्ले के।
- सामग्रीः– बल्ले मुख्य रूप से लकड़ी से बने होने चाहिए, लेकिन ब्लेड को ढकने के लिए कुछ सुरक्षात्मक सामग्री का उपयोग किया जा सकता है, जिसकी मोटाई 0.04 इंच (0.1 सेमीसे अधिक नहीं होनी चाहिए।
- सुरक्षात्मक सामग्रीः– ब्लेड के तल पर रखी जाने वाली सुरक्षात्मक सामग्री की अधिकतम मोटाई 0.12 इंच (0.3 सेमी) है।
- अन्य नियमः– बल्ले को एक विशेष गेज से भी गुजरना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह निर्धारित सीमाओं के भीतर है।

ये नियम यह सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं कि कोई भी खिलाड़ी अनुचित लाभ न उठा सके और खेल निष्पक्ष रहे।

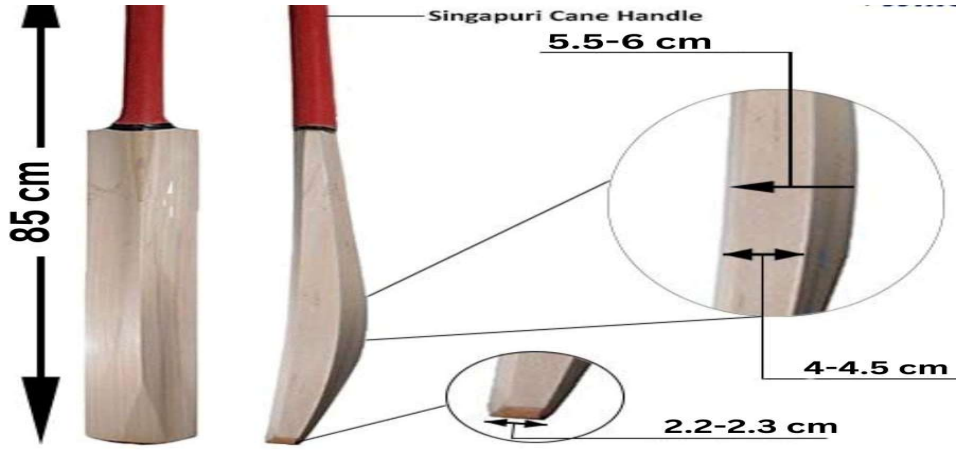

10.8 क्रिकेट की गेंद

क्रिकेट की गेंद का वजन और आकार, खेल के स्तर के अनुसार अलग-अलग होता है। पुरुषों के क्रिकेट में, गेंद का वजन 155.9 ग्राम से 163 ग्राम (5.5 से 5.75 औंस) और परिधि 22.4 सेमी से 22.9 सेमी (8 13/16 से 9 इंच) के बीच होनी चाहिए. महिलाओं और बच्चों के लिए, गेंद का वजन और आकार थोड़ा कम होता है.

क्रिकेट गेंद के वजन और आकार के बारे में विस्तृत जानकारी:

- **पुरुषों का क्रिकेट:**
- वजन: 155.9 ग्राम से 163 ग्राम (5.5 से 5.75 औंस)
- परिधि: 22.4 सेमी से 22.9 सेमी (8 13/16 से 9 इंच)
- **महिलाओं का क्रिकेट:**
- वजन: 140 ग्राम से 151 ग्राम
- परिधि: 21.0 सेमी से 22.5 सेमी

13 साल से कम उम्र के बच्चों का क्रिकेट:

- वजन: 133 ग्राम से 144 ग्राम
- परिधि: 20.5 सेमी से 22 सेमी

10.9 क्रिकेट के लिए आवश्यक सामान:-

- **बल्ला (Bat):** लकड़ी का बना, गेंद को मारने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- **गेंद (Ball):** चमड़े से ढकी हुई, कॉर्क बेस वाली गेंद।
- **विकेट (Wicket):** तीन लकड़ी के स्टंप और दो बेल्स।
- **स्टंप (Stumps):** विकेट के तीन खंभे।
- **पैड (Pads):** लेग गार्ड, बल्लेबाजों और विकेटकीपरों के पैरों की सुरक्षा के लिए।
- **हेलमेट (Helmet):** सिर की सुरक्षा के लिए।
- **दस्ताने (Gloves):** बल्लेबाजों और विकेटकीपरों के हाथों की सुरक्षा के लिए।
- **सुरक्षात्मक कपड़े (Protective gear):**
  - एबडोमिनल गार्ड (Abdominal guard): पेट की सुरक्षा के लिए।
  - आर्म गार्ड (Arm guard): कोहनी और हाथ की सुरक्षा के लिए।
  - थाई गार्ड (Thigh guard): जांघ की सुरक्षा के लिए।
  - चेस्ट गार्ड (Chest guard): छाती की सुरक्षा के लिए।
- **जूते (Shoes):** क्रिकेट के लिए स्पाइक्स वाले जूते।
- **क्रिकेट बैग (Cricket bag):** सभी सामान रखने के लिए।
- **साइड बैग (Side bag):** छोटे सामान रखने के लिए।

10.10 क्रिकेट के मूल नियम

इससे पहले कि हम बारीकियों पर चर्चा करें, खेल की सामान्य संरचना को समझना ज़रूरी है। क्रिकेट दो टीमों के बीच खेला जाता है, आमतौर पर प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं। मुख्य लक्ष्य? विरोधी टीम से ज़्यादा रन बनाना।

1. **बल्लेबाजी टीम** : यथासंभव अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करती है।

2. **गेंदबाजी टीम** : इसका उद्देश्य बल्लेबाजों को आउट करना और उनके रनों को सीमित करना होता है।
3. **क्षेत्ररक्षण टीम** : गेंदबाज के साथ मिलकर रन रोकने और विकेट लेने का काम करती है।
4. **पारी** : प्रत्येक टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की बारी मिलती है। यह खेल टेस्ट मैच, एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ODI) या T20 जैसे प्रारूपों में खेला जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक के पारी के नियम अलग-अलग होते हैं।

क्रिकेट के उन 15 नियमों पर चलते हैं जिन्हें हर खिलाड़ी को जानना चाहिए।

1. टॉस: यह तय करना कि पहले कौन बल्लेबाजी करेगा

हर मैच की शुरुआत में, दोनों टीमों के कप्तान सिक्का उछालने के लिए मिलते हैं। टॉस जीतने वाला कप्तान यह तय करता है कि उसकी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी या गेंदबाजी। यह फैसला खेल पर काफी असर डाल सकता है, खासकर मौसम, पिच की स्थिति और टीम की ताकत जैसे कारकों को देखते हुए।

उदाहरण: -टेस्ट मैचों में, अगर पिच सूखी और बल्लेबाजी के लिए उपयुक्त हो, तो टीमें पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुन सकती हैं। टी20 जैसे सीमित ओवरों के प्रारूपों में, कप्तान निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने के लिए पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुन सकते हैं।

2. बाउंड्री: चार या छह रन बनाना

बाउंड्री **क्रिकेट के मैदान के** चारों ओर की परिधि होती है । अगर कोई बल्लेबाज़ गेंद को हिट करता है और वह ज़मीन को छूकर बाउंड्री पार कर जाती है, तो टीम को **चार रन** मिलते हैं । अगर गेंद ज़मीन को छुए बिना बाउंड्री पार कर जाती है, तो **छक्का** लगता है ।

उदाहरण: -अगर बल्लेबाज़ ज़ोरदार शॉट लगाता है और गेंद बिना उछले बाउंड्री पार कर जाती है, तो उसे छक्का कहते हैं। लेकिन अगर गेंद बाउंड्री पार जाने से पहले एक बार उछलती है, तो उसे चौका कहते हैं।

3. विकेट: बल्लेबाज़ को कैसे आउट करें

क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम का प्राथमिक लक्ष्य **विकेट** लेकर बल्लेबाज़ों को आउट करना होता है । इसे हासिल करने के कई तरीके हैं:

- **बोल्ड** : गेंद स्टंप्स से टकराती है और बेल्स गिर जाती हैं।
- **कैच (Caught)** : क्षेत्ररक्षक बल्लेबाज के शॉट पर गेंद को जमीन पर गिरने से पहले ही पकड़ लेता है।
- **रन आउट** : जब बल्लेबाज विकेटों के बीच दौड़ने का प्रयास कर रहा होता है, तो क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम स्टंप तोड़ देती है।
- **एलबीडब्लू (लेग बिफोर विकेट)** : इस पर बाद में और अधिक जानकारी दी जाएगी।

उदाहरण: -एक गेंदबाज तेज गेंद फेंकता है, बल्लेबाज चूक जाता है और गेंद स्टंप्स से टकराती है, जिसके परिणामस्वरूप बल्लेबाज आउट हो जाता है।

4. रन: स्कोरिंग की मूल बातें

रन क्रिकेट की जान हैं। बल्लेबाज़ गेंद को हिट करके, विकेटों के बीच दौड़कर या गेंद को बाउंड्री तक पहुँचाकर **रन बनाता है। अतिरिक्त रन नो-बॉल** , **वाइड** और **बाई के** ज़रिए भी बनाए जा सकते हैं ।

उदाहरण: -गेंद को मारने के बाद बल्लेबाज विपरीत क्रीज की ओर दौड़ता है जबकि नॉन-स्ट्राइकर भी ऐसा ही करता है और एक रन बनाता है।

5. ओवर: गेंदबाजी की इकाई

एक **ओवर** में गेंदबाज़ द्वारा फेंकी गई छह वैध गेंदें शामिल होती हैं। सीमित ओवरों के प्रारूपों (वनडे और टी20) में, प्रत्येक गेंदबाज़ को एक निश्चित संख्या में ओवर फेंकने की अनुमति होती है। एक टीम को आमतौर पर खेल में एक निश्चित संख्या में ओवर फेंकने होते हैं—वनडे में 50 और टी20 मैचों में 20।

उदाहरण: -एकदिवसीय मैच में, एक टीम को कुल 50 ओवर गेंदबाजी करनी होती है। खेल को संतुलित रखने के लिए प्रत्येक गेंदबाज़ को अधिकतम 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति होती है।

6. नो-बॉल और फ्री हिट: जब गेंदबाज़ गलतियाँ करते हैं|

नो **-बॉल** तब होती है जब गेंदबाज़ क्रीज़ से आगे निकल जाता है या ऊँची, फुल टॉस गेंद फेंकता है। बल्लेबाजी करने वाली टीम को एक अतिरिक्त रन मिलता है, और अगली गेंद **फ्री हिट** हो जाती है , यानी बल्लेबाज़ को रन-आउट के अलावा किसी भी तरह से आउट नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:- अगर कोई गेंदबाज़ गेंद फेंकते समय ओवरस्टेप करता है, तो उसे नो-बॉल कहा जाता है। बल्लेबाज़ को फ्री हिट मिलती है, और अगर वह कैच आउट भी हो जाता है, तो भी वह सुरक्षित रहता है।

7. लेग बिफोर विकेट (LBW):

एलबीडब्लू नियम **के** तहत बल्लेबाज को आउट माना जा सकता है यदि गेंद उसके शरीर के किसी भाग (आमतौर पर पैर) पर स्टंप की सीध में लगती है, तथा अंपायर का मानना है कि यदि बल्लेबाज के शरीर पर गेंद नहीं लगती तो गेंद स्टंप पर लगती।

उदाहरण: - गेंदबाज़ सीधी गेंद फेंकता है जो बल्लेबाज़ के पैर पर स्टंप के सामने लगती है। अगर अंपायर को लगता है कि गेंद स्टंप से टकरानी चाहिए थी, तो बल्लेबाज़ एलबीडब्ल्यू आउट हो जाता है।

8. पावरप्ले: शुरुआत में अधिकतम रन बनाना

सीमित ओवरों के क्रिकेट में, **<u>पावरप्ले के तहत</u>** पहले कुछ ओवरों के दौरान 30 गज के घेरे के बाहर क्षेत्ररक्षकों की संख्या सीमित कर दी जाती है। इससे बल्लेबाजी करने वाली टीम को तेज़ी से रन बनाने का बेहतर मौका मिलता है, साथ ही गेंदबाजों के लिए भी चुस्त-दुरुस्त बने रहने की चुनौती होती है।

उदाहरण: -एकदिवसीय मैच के पहले 10 ओवरों में 30 गज के घेरे के बाहर केवल दो क्षेत्ररक्षकों को ही रहने की अनुमति होती है, जिससे बल्लेबाजों को आक्रामक शॉट खेलने और अधिक रन बनाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

9. टेस्ट क्रिकेट में फॉलो-ऑन नियम

टेस्ट मैचों में , अगर बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के स्कोर से काफ़ी कम रन बना पाती है, तो पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम का कप्तान विपक्षी टीम को **फ़ॉलो-ऑन** खेलने के लिए कह सकता है । इससे उन्हें तुरंत दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को दूसरी बार बल्लेबाजी करने की ज़रूरत नहीं पड़ती।

उदाहरण: -यदि टीम ए अपनी पहली पारी में 500 रन बनाती है और टीम बी केवल 200 रन ही बना पाती है, तो टीम ए फॉलो-ऑन लागू कर सकती है, जिससे टीम बी को तुरंत दोबारा बल्लेबाजी करनी पड़ेगी।

10. डकवर्थ-लुईस और वीजेडी पद्धति: वर्षा बाधित मैच

क्रिकेट में, बारिश या खराब मौसम खेल में खलल डाल सकता है। निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित करने के लिए, ओवर गंवाने पर लक्ष्य को संशोधित करने के लिए दो गणितीय विधियों का उपयोग किया जाता है:-

- **डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) विधि** : अंतर्राष्ट्रीय मैचों में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली, **क्रिकेट में डीएलएस विधि** शेष विकेटों और ओवरों के आधार पर लक्ष्य को समायोजित करती है।
- **वीजेडी विधि** : मुख्य रूप से आईपीएल जैसे भारतीय घरेलू मैचों में उपयोग की जाने वाली **वीजेडी विधि क्रिकेट में भी** समान है, लेकिन निष्पक्ष लक्ष्यों का अनुमान लगाने के लिए अलग गणनाओं का उपयोग करती है।

उदाहरण: - यदि 50 ओवर के एकदिवसीय मैच में बारिश के कारण बाधा उत्पन्न होती है, जिससे मैच 30 ओवर का हो जाता है, तो डीएलएस या वीजेडी पद्धति से, शेष विकेटों और ओवरों की संख्या को ध्यान में रखते हुए, बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए लक्ष्य की पुनः गणना की जाएगी।

11. वाइड: गलत डिलीवरी के लिए जुर्माना

वाइड बॉल वह गेंद होती है जो बल्लेबाज़ की पहुँच से बहुत दूर होती है। वाइड होने पर बल्लेबाज़ी करने वाली टीम को एक अतिरिक्त रन मिलता है और गेंदबाज़ को दोबारा गेंद फेंकनी पड़ती है।

उदाहरण: - गेंदबाज़ बल्लेबाज़ के ऑफ़-स्टंप से बहुत दूर गेंद फेंकता है। अंपायर वाइड का इशारा करता है , जिससे बल्लेबाज़ी करने वाली टीम को एक रन और एक अतिरिक्त गेंद मिलती है।

12. बाउंसर और बीमर: छोटी और ऊंची गेंदें

बाउंसर एक शॉर्ट-पिच गेंद होती है जो बल्लेबाज के शरीर के ऊपरी हिस्से या सिर पर लक्षित होती है। गेंदबाजों को प्रति ओवर सीमित संख्या में बाउंसर फेंकने की अनुमति होती है। दूसरी ओर, **बीमर एक अवैध गेंद होती** है जो बल्लेबाज की कमर से ऊपर पहुँचती है, जिसके कारण उसे नो-बॉल करार दिया जाता है।

उदाहरण:- तेज गेंदबाज बाउंसर फेंकता है जो बल्लेबाज की छाती तक जाती है, लेकिन बीमर गेंद जो बल्लेबाज की कमर की ऊंचाई पर लगती है, वह बिना उछले अवैध मानी जाती है।

13. रन-आउट: समय महत्वपूर्ण है

रन **-आउट** तब होता है जब बल्लेबाज़ रन पूरा करने की कोशिश में क्रीज़ के बाहर होता है और क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम स्टंप तोड़ देती है। यह बल्लेबाज़ी करने वाली टीम को ज़्यादा रन बनाने से रोकने की एक अहम रणनीति है।

उदाहरण: -बल्लेबाज़ गेंद को क्षेत्ररक्षक की ओर फेंकता है और तेज़ी से रन लेने की कोशिश करता है, लेकिन क्षेत्ररक्षक गेंद को विकेटकीपर की ओर फेंक देता है, जो बल्लेबाज़ के क्रीज़ तक पहुँचने से पहले ही स्टंप तोड़ देता है। बल्लेबाज़ रन आउट हो जाता है।

14. डेड बॉल: एक्शन को रोकना

डेड **बॉल** तब होती है जब खेल रुक जाता है और उस गेंद पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। ऐसा कई कारणों से हो सकता है, जैसे गेंद का खेल से बाहर होना, किसी खिलाड़ी को चोट लगना, या अंपायर का हस्तक्षेप।

उदाहरण: -यदि रन-अप के दौरान गेंद गलती से गेंदबाज के हाथ से छूट जाती है, तो अंपायर डेड बॉल का संकेत देगा और कोई रन या विकेट नहीं दिया जाएगा।

15. सुपर ओवर: टाई हुए मैचों का निपटारा

सीमित ओवरों के मैचों में, अगर स्कोर बराबर हो जाता है, तो विजेता का फैसला करने के लिए **सुपर ओवर** खेला जाता है। हर टीम तीन बल्लेबाज़ों को चुनती है, और सुपर ओवर में सबसे ज़्यादा स्कोर करने वाली टीम जीत जाती है।

उदाहरण: -यदि किसी टी-20 मैच में दोनों टीमें 150 रन बनाती हैं, तो सुपर ओवर खेला जाता है, जहाँ प्रत्येक टीम को एक अतिरिक्त ओवर खेलना होता है। सुपर ओवर में अधिक स्कोर वाली टीम मैच जीत जाती है।

10.11 क्रिकेट के नियम और विनियम:

यद्यपि क्रिकेट के उपरोक्त 15 नियमों में वह सब कुछ शामिल है जो आपको जानना आवश्यक है, फिर भी यहां कुछ अन्य महत्वपूर्ण नियम दिए गए हैं जिन्हें खिलाड़ियों को ध्यान में रखना चाहिए:

1. क्षेत्ररक्षण प्रतिबंध:-सीमित ओवरों के क्रिकेट में, क्षेत्ररक्षकों के खड़े होने के लिए विशिष्ट नियम होते हैं। इससे बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बना रहता है, जिससे

क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के लिए सीमा रेखा के पार ज़्यादा भीड़भाड़ फैलाना मुश्किल हो जाता है।

2. निष्पक्ष और अनुचित खेल :-क्रिकेट में निष्पक्ष खेल के बारे में सख्त दिशानिर्देश हैं। उदाहरण के लिए, गेंद से छेड़छाड़ करना या जानबूझकर किसी क्षेत्ररक्षक को रोकना अनुचित माना जाता है और इसके परिणामस्वरूप दंड हो सकता है।

3. चोटें और स्थानापन्न :-अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो टीम एक स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक को उतार सकती है, लेकिन वह स्थानापन्न गेंदबाज़ी या बल्लेबाज़ी नहीं कर सकता। हालाँकि, एक नए नियम के तहत कुछ मामलों में कन्कशन सब्स्टीट्यूट की अनुमति है।

10.12 क्रिकेट के नियमों को जानना इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

नियमों को समझने से न सिर्फ़ आपका खेल बेहतर होता है—यह यह भी सुनिश्चित करता है कि आप निष्पक्ष खेलें और खेल का सम्मान करें। यहाँ कुछ कारण दिए गए हैं कि हर क्रिकेटर को **क्रिकेट के नियमों और विनियमों** के बारे में क्यों पता होना चाहिए :

- **अनावश्यक दंड से बचें** : किसी नियम की गलत व्याख्या करने से आपको रन या विकेट भी गँवाने पड़ सकते हैं। नियमों को जानने से आपको गलतियों से बचने में मदद मिलेगी।
- **टीमवर्क में वृद्धि** : जब टीम का प्रत्येक सदस्य नियमों को जानता है, तो समन्वय और रणनीति में सुधार होता है।
- **आत्मविश्वास बढ़ाएँ** : नियमों की ठोस समझ आपको खेल के दौरान अधिक आत्मविश्वासी बनाती है, जिससे आप प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

10.13 पूछे जाने वाले प्रश्न

1. क्रिकेट के मूल नियम क्या हैं?

क्रिकेट के मूल नियमों के अनुसार 11 खिलाड़ियों की दो टीमें होती हैं, जो गेंद को मारकर रन बनाती हैं, तथा गेंदबाजी, कैचिंग और रन-आउट जैसे विभिन्न तरीकों से दूसरी टीम के बल्लेबाजों को आउट करती हैं।

2. क्रिकेट में एलबीडब्ल्यू क्या है?

एलबीडब्लू या लेग बिफोर विकेट, बल्लेबाज को आउट करने का एक तरीका है, यदि गेंद उसके पैर पर स्टंप की सीध में लगी हो और स्टंप से टकराने वाली हो।

3. क्रिकेट मैच में कितने ओवर होते हैं?

ओवरों की संख्या प्रारूप पर निर्भर करती है। टेस्ट क्रिकेट में ओवरों की कोई सीमा नहीं होती, जबकि वनडे में प्रति टीम 50 ओवर और टी20 में प्रति टीम 20 ओवर होते हैं।

4. क्रिकेट में पावरप्ले क्या है?

पावरप्ले सीमित ओवरों के क्रिकेट में वह अवधि है, जिसमें क्षेत्ररक्षण पर प्रतिबंध लागू होते हैं, जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने के अधिक अवसर मिलते हैं।

5. क्या क्रिकेट में कोई स्थानापन्न खिलाड़ी बल्लेबाजी या गेंदबाजी कर सकता है?

नहीं, एक स्थानापन्न खिलाड़ी केवल क्षेत्ररक्षण कर सकता है। हालाँकि, एक नए नियम के अनुसार, यदि कोई खिलाड़ी कन्कशन के कारण घायल हो जाता है, तो कन्कशन स्थानापन्न खिलाड़ी बल्लेबाजी या गेंदबाजी कर सकता है।

10.14 क्रिकेट स्कोर शीट:-

स्कोर शीट में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और विकेटों का विवरण होता है। प्रत्येक टीम के रनों और विकेटों की संख्या, प्रत्येक बल्लेबाज द्वारा बनाए गए रनों, और प्रत्येक गेंदबाज द्वारा फेंके गए ओवरों और लिए गए विकेटों का हिसाब रखा जाता है।

स्कोर शीट में आमतौर पर निम्नलिखित जानकारी होती है:

- **टीम का नाम:**- जिस टीम का मैच चल रहा है, उसका नाम।
- **बल्लेबाजी क्रम:**- बल्लेबाज के नाम और वे जिस क्रम में बल्लेबाजी कर रहे हैं।
- **रन:**- प्रत्येक बल्लेबाज द्वारा बनाए गए रनों की संख्या।
- **आउट होने का तरीका:**- बल्लेबाज कैसे आउट हुआ (जैसे बोल्ड, कैच, रन आउट, आदि)।
- **विकेट:**- प्रत्येक गेंदबाज द्वारा लिए गए विकेटों की संख्या।
- **गेंदबाजी:**-प्रत्येक गेंदबाज द्वारा फेंके गए ओवरों की संख्या।
- **अतिरिक्त रन:**-नो-बॉल, वाइड, और बाई जैसे अतिरिक्त रनों की संख्या।
- **कुल रन:**-टीम द्वारा बनाए गए कुल रनों की संख्या।
- **विकेट पतन:**-किस विकेट पर कौन आउट हुआ और उसका स्कोर क्या था।
- **अंपायरों और स्कोरर के हस्ताक्षर:**- मैच के अंत में अंपायरों और स्कोरर द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं।

स्कोरिंग के कुछ महत्वपूर्ण बिंदु:-

- **रन:**-बल्लेबाज द्वारा बनाए गए रनों की संख्या को स्कोर शीट में दर्ज किया जाता है।
- **विकेट:**-जब कोई बल्लेबाज आउट होता है, तो उसका नाम और आउट होने का तरीका स्कोर शीट में दर्ज किया जाता है।

- **नो-बॉल और वाइड:**-नो-बॉल और वाइड के लिए अतिरिक्त रन भी स्कोर शीट में दर्ज किए जाते हैं।

- **अतिरिक्त:**-बाई, लेग बाई, और नो-बॉल जैसे अतिरिक्त रनों की संख्या को भी स्कोर शीट में दर्ज किया जाता है।
- **कुल योग:**- प्रत्येक पारी के अंत में, कुल रनों और विकेटों की संख्या की गणना की जाती है।
- **मैच का परिणाम:**- मैच का परिणाम (जैसे, टीम ए ने इतने रनों से जीता, या मैच ड्रॉ रहा) स्कोर शीट में दर्ज किया जाता है।

<u>अतिरिक्त जानकारी:-</u>

- कुछ मैचों में, जैसे कि टेस्ट मैचों में, फॉलो-ऑन (follow-on) का नियम लागू होता है।
- टी20 मैचों में, सुपर ओवर का नियम लागू होता है, यदि मैच टाई हो जाता है।
- मैच के अंत में, अंपायर और स्कोरर को स्कोर शीट पर हस्ताक्षर करने होते हैं।
- 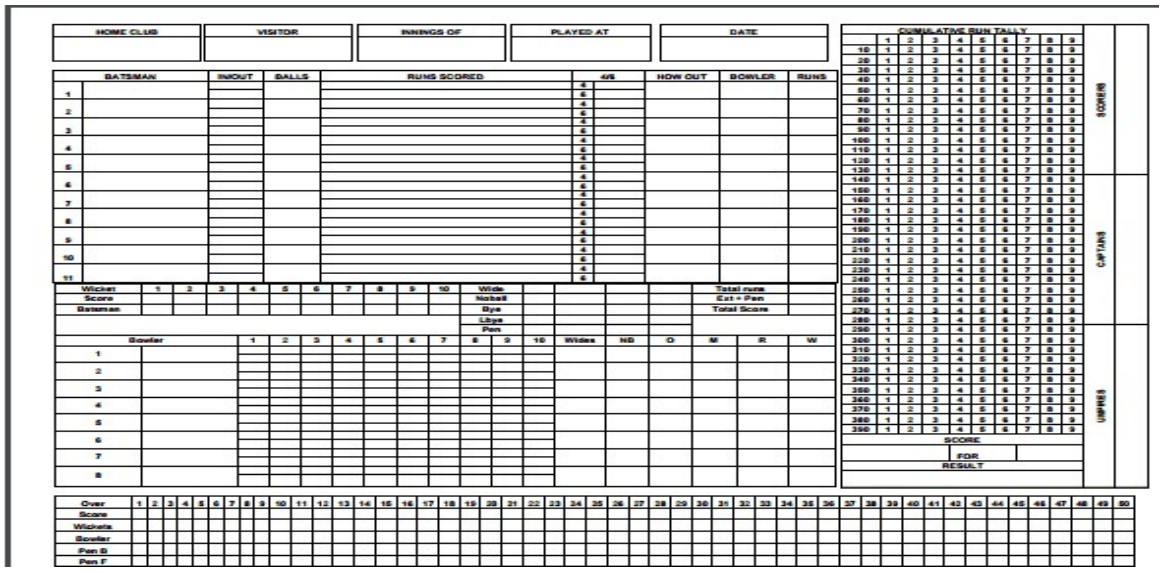

SCORE SHEET SAMPLE

10.15 भारत में कई महत्वपूर्ण क्रिकेट प्रतियोगिताएं हैं. इनमें से कुछ प्रमुख हैं:-

- इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल): यह भारत की एक पेशेवर ट्वेंटी-20 क्रिकेट लीग है और देश के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक है| आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अमीर क्रिकेट लीगों में से एक है|
- रणजी ट्रॉफी: यह भारत की एक प्रमुख प्रथम श्रेणी क्रिकेट चैंपियनशिप है| यह रणजीतसिंहजी के नाम पर है. इसका पहला सत्र 1934-35 में हुआ था और इसमें चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैच खेले जाते हैं. मुंबई ने इस ट्रॉफी को 41 बार जीता है. यह

भारतीय क्रिकेटरों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चयन होने से पहले खुद को साबित करने का सबसे बड़ा मंच है|

- दिलीप ट्रॉफी: - यह भारत में खेली जाने वाली एक घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट टूर्नामेंट है. इसका नाम पूर्व क्रिकेटर दिलीप सिंहजी के नाम पर रखा गया है|
- विजय हजारे ट्रॉफी: यह एक घरेलू सीमित ओवरों की क्रिकेट प्रतियोगिता है, यह घरेलू प्रतियोगिताओं में से एक प्रमुख प्रतियोगिता है|

- देवधर ट्रॉफी: यह भी एक घरेलू सीमित ओवरों की प्रतियोगिता है|
- ईरानी ट्रॉफी: यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट का टूर्नामेंट है जो रणजी ट्रॉफी के विजेताओं और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चुनी गई एक रेस्ट ऑफ इंडिया टीम के बीच खेला जाता है|
- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: यह एक घरेलू ट्वेंटी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता है|
- बीसीसीआई कॉर्पोरेट ट्रॉफी: यह एक अन्य घरेलू प्रतियोगिता है जो Wikipedia के अनुसार बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जाती है|

10.16 प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताएं :-

भारत में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंटों की भी मेजबानी की गई है, जैसे कि 2023 क्रिकेट विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप, 2016 टी 20 विश्व कप, 2006 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2021 टी 20 विश्व कप. 2023 में महिला प्रीमियर लीग (WPL) भी शुरू की गई है|

- आईसीसी क्रिकेट विश्व कप (ICC Cricket World Cup): यह पुरुषों का एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ODI) क्रिकेट का प्रमुख टूर्नामेंट है, जो हर चार साल में आयोजित किया जाता है. इसे विश्व कप के रूप में जाना जाता है और यह क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक है|
- आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप (ICC Men's T20 World Cup): यह पुरुषों का अंतर्राष्ट्रीय ट्वेंटी-20 (T20) क्रिकेट का प्रमुख टूर्नामेंट है, जो विश्व कप के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट माना जाता है|
- आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी (ICC Champions Trophy): यह एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ODI) क्रिकेट का एक छोटा संस्करण है, जिसमें शीर्ष आठ एकदिवसीय टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं|

- विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (World Test Championship): यह टेस्ट क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ प्रारूप को एक नया संदर्भ और रोमांच देने के लिए ICC द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित द्विवार्षिक टूर्नामेंट है|
- एशेज सीरीज (The Ashes Series): एशेज इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हर दो साल में खेली जाने वाली एक टेस्ट क्रिकेट श्रृंखला है. यह दो देशों के बीच ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता और क्रिकेट की सबसे प्रसिद्ध टेस्ट सीरीज में से एक है|

10.17 NIMPORTANT CRICKET CHAMPIOMSHIPS AND NAMES OF WINNER YEARWISE

ICC Cricket World Cup (ODI) winners

- 1975: West Indies
- 1979: West Indies
- 1983: India
- 1987: Australia
- 1992: Pakistan
- 1996: Sri Lanka
- 1999: Australia
- 2003: Australia
- 2007: Australia
- 2011: India
- 2015: Australia
- 2019: England
- 2023: Australia

ICC T20 World Cup winners

- 2007: India
- 2009: Pakistan
- 2010: England
- 2012: West Indies
- 2014: Sri Lanka
- 2016: West Indies
- 2021: Australia
- 2022: England
- 2024: India

ICC Champions Trophy winners

- 1998: South Africa
- 2000: New Zealand
- 2002: India and Sri Lanka (joint winners)
- 2004: West Indies
- 2006: Australia
- 2009: Australia

- 2013: India
- 2017: Pakistan
- 2025: India

ICC World Test Championship winners

- 2019-2021: New Zealand
- 2021-2023: Australia
- 2023-2025: South Africa

10.18 स्वतंत्रता के बाद से, भारतीय क्रिकेट ने कई दिग्गज खिलाड़ियों को देखा है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है. यहाँ 1950 के बाद के कुछ सबसे प्रतिष्ठित भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की सूची है : -

- लाला अमरनाथ (Lala Amarnath): 1933 से 1952 तक खेला।
- विनू मांकड (Vinoo Mankad): 1955 से 1959 तक खेला।
- विजय हजारे (Vijay Hazare): 1951 से 1953 तक खेला।
- गुलाम अहमद (Ghulam Ahmed): 1955 से 1959 तक खेला।
- हेमू अधिकारी (Hemu Adhikari): 1947 में टेस्ट में पदार्पण किया।
- बाल दानी (Bal Dani): 1952 में टेस्ट में पदार्पण किया।
- चंदू गडकरी (Chandu Gadkari): 1953 में टेस्ट में पदार्पण किया।
- नारायण स्वामी (Narayan Swamy): 1955 में टेस्ट में पदार्पण किया।
- सुरेन्द्र नाथ (Surendra Nath): 1958 में टेस्ट में पदार्पण किया।
- अपूर्व सेनगुप्ता (Apoorva Sengupta): 1959 में टेस्ट में पदार्पण किया।
- वी. एम. मुद्दीह (V. M. Muddiah): 1959 में टेस्ट में पदार्पण किया।
- एकनाथ सोलकर (Eknath Solkar): 1974-1976 तक खेला।
- श्रीनिवास वेंकटराघवन (Srinivas Venkataraghavan): 1974-1983 तक खेला।
- बिशन सिंह बेदी (Bishan Singh Bedi): 1975-1978 तक खेला।
- कपिल देव (Kapil Dev): 1978 से 1994 तक खेला। 1983 में भारत को पहला विश्व कप दिलाया|
- सुनील गावस्कर (Sunil Gavaskar): 1971 से 1987 तक खेला। 'लिटिल मास्टर' के नाम से भी जाने जाते हैं. वेस्टइंडीज के घातक तेज गेंदबाजों के खिलाफ बिना हेलमेट के खेलने के लिए भी जाने जाते हैं|
- मोहम्मद अजहरुद्दीन (Mohammed Azharuddin): 1989-1999 तक खेला। लगातार तीन टेस्ट शतक से अपने करियर की शुरुआत की. 174 एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की|

- सचिन तेंदुलकर (Sachin Tendulkar): 1989 से 2013 तक खेला। 'क्रिकेट का भगवान' के नाम से जाने जाते हैं. सबसे अधिक टेस्ट और एकदिवसीय रन, शतक (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक) और मैन ऑफ़ द मैच पुरस्कार का रिकॉर्ड बनाया|
- अनिल कुंबले (Anil Kumble): 1990 से 2008 तक खेला। टेस्ट में एक पारी में 10 विकेट लेने का कारनामा करने वाले दूसरे गेंदबाज|
- सौरव गांगुली (Sourav Ganguly): 1992-2008 तक खेला। भारत के बेहतरीन कप्तानों में से एक. 146 एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की|
- राहुल द्रविड़ (Rahul Dravid): 1996 से 2012 तक खेला। 'द वॉल' के नाम से जाने जाते हैं। धैर्य और तकनीक के लिए प्रसिद्ध|
- वीरेंद्र सहवाग (Virender Sehwag): 1999 से 2013 तक खेला। आक्रामक सलामी बल्लेबाज के रूप में जाने जाते हैं|
- महेंद्र सिंह धोनी (MS Dhoni): 2004 से 2019 तक खेला। 'कैप्टन कूल' के नाम से जाने जाते हैं. भारत को पहला टी20 विश्व कप, एकदिवसीय विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी दिलाया. 200 एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की|
- गौतम गंभीर (Gautam Gambhir): 2003-2016 तक खेला। 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज|
- विराट कोहली (Virat Kohli): 2008 से अब तक खेल रहे हैं। 'चेज़ मास्टर' के नाम से जाने जाते हैं. भारत के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर हैं|
- रोहित शर्मा (Rohit Sharma): 2007 से अब तक खेल रहे हैं। 'हिटमैन' के नाम से जाने जाते हैं. टी20I में 62 मैचों में कप्तानी की|
- जसप्रीत बुमराह (Jasprit Bumrah): 2013 से अब तक खेल रहे हैं। अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं|

10.19 बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों की सूची :-

- सचिन तेंदुलकर (भारत) - "क्रिकेट के भगवान" के नाम से मशहूर, सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय शतकों और रनों का रिकॉर्ड इन्हीं के नाम है|
- विराट कोहली (भारत) - आधुनिक क्रिकेट के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक, कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं|
- रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - एक सफल कप्तान और बेहतरीन बल्लेबाज, इनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा शतक हैं|

- कुमार संगकारा (श्रीलंका) - एक शानदार बल्लेबाज और विकेटकीपर, इनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा शतक हैं|
- महेंद्र सिंह धोनी (भारत) - एक सफल कप्तान और फिनिशर, इन्होंने भारत को कई आईसीसी ट्रॉफियां दिलाई हैं|
- जाक कालिस (दक्षिण अफ्रीका) - सर्वकालिक महान ऑलराउंडरों में से एक, एबी डिविलियर्स ने इन्हें विश्व का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज कहा है|
- डेल स्टेन (दक्षिण अफ्रीका) - एक बेहतरीन तेज गेंदबाज, अपने समय में दुनिया के बेहतरीन स्विंग गेंदबाजों में गिने जाते थे|
- जसप्रीत बुमराह (भारत) - एक बेहतरीन तेज गेंदबाज, 21वीं सदी के महानतम क्रिकेटरों में शामिल हैं|
- स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया) - एक शानदार बल्लेबाज, 21वीं सदी के महानतम क्रिकेटरों में शामिल हैं|
- जो रूट (इंग्लैंड) - एक शानदार बल्लेबाज, 21वीं सदी के महानतम क्रिकेटरों में शामिल हैं.
- हाशिम अमला (दक्षिण अफ्रीका) - एक शानदार बल्लेबाज, 21वीं सदी के महानतम क्रिकेटरों में शामिल हैं|
- एबी डिविलियर्स (दक्षिण अफ्रीका) - एक शानदार बल्लेबाज, 21वीं सदी के महानतम क्रिकेटरों में शामिल हैं|
- जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड) - एक बेहतरीन तेज गेंदबाज, 21वीं सदी के महानतम क्रिकेटरों में शामिल हैं.
- शाकिब अल हसन (बांग्लादेश) - एक बेहतरीन ऑलराउंडर, टी20 और वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हैं|
- मोहम्मद नबी (अफगानिस्तान) - एक बेहतरीन ऑलराउंडर, टी20 और वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हैं|
- रशीद खान (अफगानिस्तान) - एक बेहतरीन स्पिन गेंदबाज और ऑलराउंडर, वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हैं|
- सूर्यकुमार यादव (भारत) - टी20 फॉर्मेट के बेहतरीन बल्लेबाज 2025 तक ~9000 रन बना चुके हैं|
- निकोलस पूरन (वेस्टइंडीज) - टी20 फॉर्मेट के बेहतरीन बल्लेबाज 2025 तक ~8000 रन बना चुके हैं|

- जोस बटलर (इंग्लैंड) - टी20 फॉर्मेट के बेहतरीन बल्लेबाज, 2025 तक ~11000 रन बना चुके हैं|

10.20 ARJUNA AWARDEES IN CRICKET

The Arjuna Award, India's second-highest sporting honour, recognizes exceptional achievements in cricket

. Since its inception in 1961, several notable cricketers have received this prestigious award. Some key highlights include:

- **First recipient: Salim Durani in 1961.**
- **First woman recipient: Shantha Rangaswamy in 1976.**

Here is a list of some of the Arjuna Award winners in cricket, categorized by the year they received the award:

1960s

- Salim Durani (1961)
- Mansoor Ali Khan Pataudi (1964)
- Vijay Manjrekar (1965)
- Chandu Borde (1966)
- Ajit Wadekar (1967)
- E. A. S. Prasanna (1968)
- Bishan Singh Bedi (1969)

1970s

- Dilip Sardesai (1970)
- Srinivasaraghavan Venkataraghavan (1971)
- Bhagwat Subramanya Chandrasekhar (1972)
- Eknath Solkar (1972)
- Sunil Gavaskar (1975)
- Shantha Rangaswamy (1976)
- Gundappa Viswanath (1977-78)
- Kapil Dev (1979-80)

1980s

- Chetan Chauhan (1980-81)
- Syed Kirmani (1980-81)
- Dilip Vengsarkar (1981)
- Mohinder Amarnath (1982)
- Diana Edulji (1983)
- Ravi Shastri (1984)
- Shubhangi Kulkarni (1985)
- Sandhya Agarwal (1986)
- Mohammad Azharuddin (1986)
- Madan Lal (1989)

1990s

- Kiran More (1993)
- Manoj Prabhakar (1993)
- Sachin Tendulkar (1994)
- Anil Kumble (1995)
- Javagal Srinath (1996)
- Sourav Ganguly (1997)
- Ajay Jadeja (1997)
- Rahul Dravid (1998)
- Nayan Mongia (1998)

2000s

- Venkatesh Prasad (2000)
- VVS Laxman (2001)
- Virender Sehwag (2002)
- Mithali Raj (2003)
- Harbhajan Singh (2003)
- Anju Jain (2005)
- Anjum Chopra (2006)
- Gautam Gambhir (2009)

2010s

- Jhulan Goswami (2010)
- Zaheer Khan (2011)
- Yuvraj Singh (2012)
- Virat Kohli (2013)
- Ravichandran Ashwin (2014)
- Rohit Sharma (2015)
- Ajinkya Rahane (2016)
- Harmanpreet Kaur (2017)
- Cheteshwar Pujara (2017)
- Smriti Mandhana (2018)
- Ravindra Jadeja (2019)
- Poonam Yadav (2019)

2020s

- Deepti Sharma (2020)
- Ishant Sharma (2020)
- Shikhar Dhawan (2021)
- Mohammed Shami (2023)

10.21 Dronacharya awardees in cricket:-

The Dronacharya Award is presented **by** the Indian government to coaches for their excellence in sports coaching. Several notable cricket coaches have been

awarded this prestigious honor for their contributions to the sport. Some of the well-known recipients include:

- Desh Prem Azad: Received the award in 1986.
- Gurcharan Singh: Awarded in 1987.
- Ramakant Achrekar: Awarded in 1990, known for coaching players like Sachin Tendulkar.
- Sunita Sharma: Reportedly, India's first woman cricket coach, she received the award in 2004 (presented in 2005).
- Sanjay Bhardwaj: Received the Dronacharya Award in 2019.
- Sarkar Talwar: Received the Dronacharya Award in 2021.
- Dinesh Jawahar Lad: Received the award in 2022 and is known for coaching players like Rohit Sharma and Shardul Thakur.

The Dronacharya Award is a testament to the hard work and dedication of these coaches who have helped shape the careers of numerous cricketers and contributed significantly to the growth of the sport in India.

10.22 भारत में कई शानदार क्रिकेट स्टेडियम हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं:-

- नरेंद्र मोदी स्टेडियम: -अहमदाबाद में स्थित, यह दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है जिसकी क्षमता 132,000 दर्शकों की है। इसने कई हाई-प्रोफाइल मैचों की मेज़बानी की है|
- ईडन गार्डन्स: -कोलकाता में स्थित, इसकी क्षमता 68,000 दर्शकों की है|
- शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम : -छत्तीसगढ़ में स्थित, इसकी क्षमता 65,000 दर्शकों की है|
- राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम : -हैदराबाद में स्थित, इसकी क्षमता 55,000 दर्शकों की है.
- Rajgeer antrrashtriy cricket stediyam:- abhi nirmanadheen hai . 40000 darshkon kii capacity hogi .
- हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम:- धर्मशाला में स्थित, इसे भारत के सबसे खूबसूरत स्टेडियमों में से एक माना जाता है, जो पहाड़ों के बीच 1,317 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है|
- वानखेड़े स्टेडियम : मुंबई में स्थित|
- एम ए चिदंबरम स्टेडियम : चेन्नई में स्थित|
- अरुण जेटली स्टेडियम : दिल्ली में स्थित|
- एम चिन्नास्वामी स्टेडियम : बेंगलुरु में स्थित|
- भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम : लखनऊ में स्थित|

10.23 दुनिया के कुछ बेहतरीन क्रिकेट स्टेडियमों की सूची :-

- नरेंद्र मोदी स्टेडियम : गुजरात के अहमदाबाद में स्थित, यह दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है, जिसकी क्षमता 1,32,000 दर्शकों की है।
- मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) : ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में स्थित, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है और अपनी ऐतिहासिक महत्व और विशाल क्षमता (लगभग 1 लाख) के लिए जाना जाता है|
- लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड : इसे "क्रिकेट का घर" भी कहा जाता है, यह लंदन में स्थित है और अपनी समृद्ध इतिहास और परंपरा के लिए प्रसिद्ध है|
- ईडन गार्डन : कोलकाता में स्थित, यह भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित स्टेडियमों में से एक है, जिसकी क्षमता 68,000 है|
- न्यूलैंड्स क्रिकेट स्टेडियम : दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में स्थित, इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत स्टेडियमों में से एक माना जाता है|
- हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडिय : धर्मशाला में स्थित, यह स्टेडियम अपनी लुभावनी धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के शानदार दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है और दुनिया के सबसे खूबसूरत स्टेडियमों में से एक है|

इनके अलावा भी कई अन्य बेहतरीन क्रिकेट स्टेडियम हैं, जैसे:-

- वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई
- डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई|
- एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु|
- शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर|
- राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, हैदराबाद|
- ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम, केरल |

10.24 TERMINOLOGIES :-

Here are some common cricket terms in English and their Hindi translations:

- **Cricket**: (क्रिकेट): The sport itself.
- **Pitch**: (पिच): The central strip of the field where the wickets are placed.
- **Wicket**: (विकेट): The three stumps and two bails at each end of the pitch.
- **Batsman/Batter**: (बल्लेबाज): The player who hits the ball.
- **Bowler**: (गेंदबाज): The player who delivers the ball to the batsman.
- **Fielder**: (क्षेत्ररक्षक): A player who tries to catch the ball or stop it from going for runs.
- **Umpire**: (अंपायर): The official who makes decisions about the game.

- **Run**: (रन): The basic unit of scoring.
- **Boundary**: (बाउंड्री): When the ball is hit to the edge of the field. A four or six runs are scored.
- **Catch**: (कैच): When a fielder successfully catches the ball after it's been hit by the batsman.

Batting Terms:

- **Drive**

  (ड्राइव): A shot played with a full swing of the bat, sending the ball along the ground.
- **Cover Drive**

  (कवर ड्राइव): A drive played towards the off-side, between the cover and extra cover region.
- **Pull**

  (पुल): A shot played on the leg side, hitting the ball with the back foot.
- **Hook**

  (हुक): A shot played to a short, rising ball, usually on the leg side.
- **Duck**

  (डक): When a batsman is out without scoring any runs.
- **Leg before wicket (LBW)**

  (लेग बिफोर विकेट): A method of dismissal where the batsman is given out if the ball hits their leg before the wicket and would have hit the wicket.

Bowling Terms:

- **Bouncer**

  (बाउंसर): A short-pitched ball that bounces high, near the batsman's head.
- **Yorker**

  (यॉर्कर): A ball that is bowled straight at the batsman's feet.
- **Googly**

  (गूगली): A deceptive delivery bowled by a wrist-spin bowler that turns in the opposite direction to what the batsman expects.
- **No-ball**

  (नो-बॉल): A ball bowled illegally, usually because the bowler oversteps the crease.
- **Wide**

  (वाइड): A ball bowled too far away from the batsman for them to be able to hit it.
- **Maiden Over**

(मेडेन ओवर): An over in which no runs are scored.

Fielding Terms:

- **Slip**
  (स्लिप): A fielding position close to the batsman on the off-side, designed to catch edges of the bat.
- **Gully**
  (गली): A fielding position between the slip and point positions.
- **Point**
  (पॉइंट): A fielding position on the off-side, close to the batsman.
- **Leg-slip**
  (लेग स्लिप): A fielding position on the leg-side, close to the batsman.

Other Terms:

- **All-rounder**: (ऑल-राउंडर): A player who is good at both batting and bowling.
- **Appeal**: (अपील): When fielders ask the umpire to declare a batsman out.
- **Average**: (औसत): A measure of a batsman's or bowler's performance.
- **Powerplay**: (पावरप्ले): A period in limited-overs cricket where fielding restrictions apply.
- All-Rounder: हरफनमौला खिलाड़ी|
- Appeal: अपील (जब फील्डर अंपायर से बल्लेबाज को आउट करने की मांग करते हैं)|
- Ball Tampering: गेंद से छेड़छाड़ करना|
- Beamer: बीमर (तेज़ और बिना बाउंस के कमर से ऊपर फेंकी गई गेंद)|
- Boundary: बाउंड्री (मैदान की सीमा रेखा, गेंद इसके पार जाने पर 4 या 6 रन मिलते हैं)|
- Bouncer: उछाल वाली गेंद (तेज़ और छोटी पिच पर फेंकी गई गेंद जो बल्लेबाज के सिर के पास उछलती है)
- Hat-trick: तिकड़ी (एक ही गेंदबाज द्वारा लगातार तीन गेंदों में तीन विकेट लेना)|
- Night Watchman: रात्रि प्रहरी (कम रोशनी में पारी समाप्त होने से पहले बल्लेबाजी करने वाला बल्लेबाज)|
- Pitch: खेल पट्टी (मैदान का मध्य भाग जहां गेंदबाजी और बल्लेबाजी होती है)|
  - Century: शतक|
  - Double Century: दोहरा शतक|
  - Leg Before Wicket (LBW): पगबाधा|
  - Man of the Match: मैच का सर्वोत्तम खिलाड़ी|
  - ODI (One Day International) Match: एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच|

- Triple Century: तिहरा शतक|
- Wicketkeeper: विकेटरक्षक |

10.25 क्रिकेट के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ):

- 1. क्रिकेट क्या है?
- क्रिकेट, एक बल्ले और गेंद का खेल है जिसमें 11 खिलाड़ियों वाली दो टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं।
- 2. क्रिकेट के कितने प्रकार होते हैं?
- क्रिकेट के मुख्य रूप से तीन प्रकार हैं: टेस्ट क्रिकेट, एकदिवसीय (वनडे) क्रिकेट और टी20 क्रिकेट।
- 3. टेस्ट क्रिकेट क्या है?
- टेस्ट क्रिकेट, क्रिकेट का पारंपरिक और सबसे लंबा प्रारूप है। इसमें आमतौर पर एक मैच पांच दिनों तक चलता है।
- 4. एकदिवसीय (वनडे) क्रिकेट क्या है?
- एकदिवसीय क्रिकेट, 50 ओवर का एक मैच होता है जिसमें प्रत्येक टीम को 50 ओवर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है।
- 5. टी20 क्रिकेट क्या है?
- टी20 क्रिकेट, 20 ओवर का एक मैच होता है जो एकदिवसीय क्रिकेट की तुलना में बहुत तेज़ होता है।
- 6. क्रिकेट के मैदान को क्या कहा जाता है?
- क्रिकेट के मैदान को पिच कहा जाता है।
- 7. क्रिकेट में अंपायर का क्या काम होता है?
- क्रिकेट में अंपायर, खेल के नियमों को लागू करते हैं और सभी आवश्यक निर्णय लेते हैं।
- 8. क्रिकेट में स्कोरर का क्या काम होता है?
- क्रिकेट में स्कोरर, अंपायरों के संकेतों का पालन करते हैं और स्कोर को बनाए रखते हैं।
- 9. क्रिकेट में बल्लेबाज का क्या काम होता है?
- क्रिकेट में बल्लेबाज का काम, गेंद को मारकर रन बनाना होता है।
- 10. क्रिकेट में गेंदबाज का क्या काम होता है?
- क्रिकेट में गेंदबाज का काम, बल्लेबाज को आउट करने के लिए गेंद फेंकना होता है।
- 11. क्रिकेट में फील्डर का क्या काम होता है?

- क्रिकेट में फील्डर का काम, बल्लेबाज द्वारा मारी गई गेंद को पकड़ना और आउट करना होता है।
- 12. क्रिकेट में विकेटकीपर का क्या काम होता है?
- क्रिकेट में विकेटकीपर, बल्लेबाज के पीछे खड़ा होता है और गेंद को पकड़ता है।
- 13. क्रिकेट में कितने अंपायर होते हैं?
- क्रिकेट में आमतौर पर दो अंपायर होते हैं।
- 14. क्रिकेट में कितने स्कोरर होते हैं?
- क्रिकेट में आमतौर पर दो स्कोरर होते हैं।
- 15. क्रिकेट में कितने खिलाड़ी होते हैं?
- क्रिकेट में प्रत्येक टीम में 16 खिलाड़ी होते हैं।

10.26 FEDERATION ADDRESS

- बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) का पता और ईमेल पता है:
- पता: 45-सी, सहयोग हॉस्पिटल के पास, पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना-800013.
- ईमेल:- info@biharcricketassociation.com.

- **भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का पता और ईमेल पता इस प्रकार है:-**
- पता:-क्रिकेट सेंटर,पी.ओ. बॉक्स नंबर 11119,4th फ्लोर, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई 400020, भारत। ईमेल:- general.manager@bcci.tv

आईसीसी का पता:-

- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद|
- दुबई, संयुक्त अरब अमीरात |

आईसीसी की वेबसाइट:- आईसीसी की वेबसाइट)www.icc-cricket.com)